Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



11th History

Chapter-4 | Part-3

ARJUN BATCH

तीन वर्ग (Three Orders)

सामंतवाद का परिचय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?



1. दूसरा वर्ग-अभिजात वर्ग
2. मेनर की जागीर

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मध्यकालीन यूरोप → अंधकार युग → पुनर्जागरण 'रेनेसा'

सामंत

अभिजात वर्ग के अधिकार / भूमिका

- (i) भूमि के ऊपर → स्थायी अधिकार
- (ii) भूमि पर संपूर्ण नियंत्रण
- (iii) सिक्का ढालने का अधिकार
- (iv) युद्ध जारी करने का अधिकार
- (v) न्यायिक अधिकार
- सैन्य अधिकार
  - सेना का गठन → सामंती सेना
  - सेना का संचालन

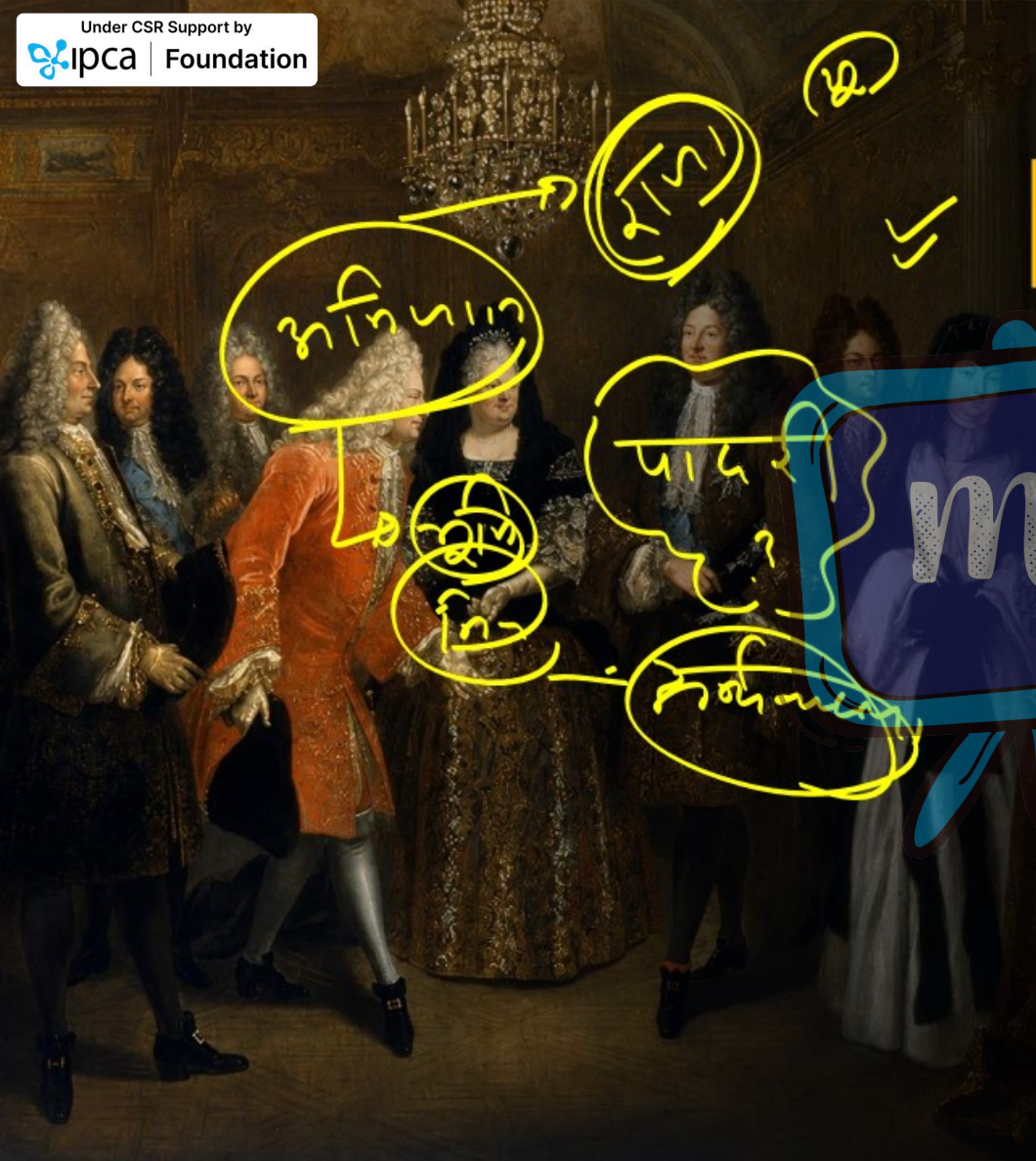
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

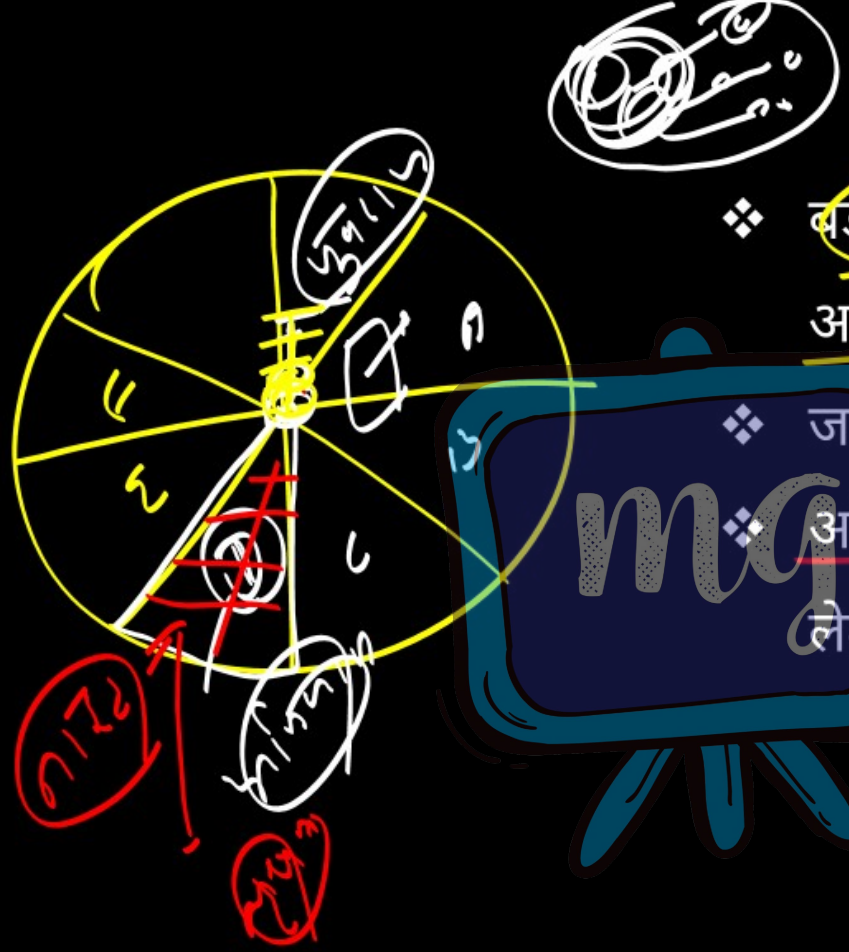


दूसरा वर्ग-अभिजात वर्ग

- सामाजिक प्रक्रिया में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी।
- ऐसा भूमि पर उनके नियंत्रण के कारण था।
- फ्रांस के शासकों का लोगों से जुड़ाव एक प्रथा के कारण था जिसे 'वैसलेज' कहते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

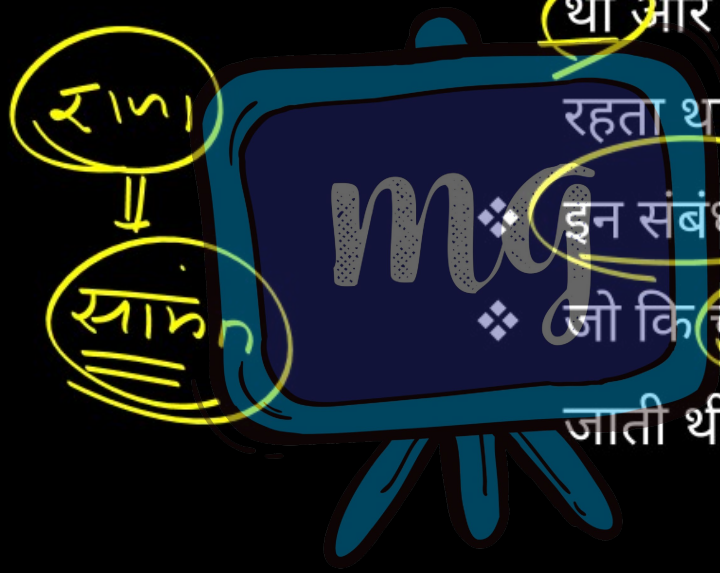
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- बड़े भू-स्वामी और अभिजात वर्ग राजा के अधीन होते थे।
- जबकि कृषक भू-स्वामियों के अधीन होते थे।
- अभिजात वर्ग राजा को अपना स्वामी मान लेता था और वे आपस में वचनबद्ध होते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER



- सेन्योर/लॉर्ड, दास (Vassal) की रक्षा करता था और बदले में वह उसके प्रति निष्ठावान रहता था।
- इन संबंधों में शपथों का विनिमय शामिल था।
- जो कि चर्च में बाईबल की शपथ लेकर की जाती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अभिजात वर्ग

- अभिजात वर्ग का अपनी संपदा पर स्थायी तौर पर पूर्ण नियंत्रण था।
- वह अपनी सैन्य क्षमता बढ़ा सकते थे जो सामंती सेना कहलाती थी।
- वे अपना स्वयं का न्यायालय लगा सकते थे।
- अपनी मुद्रा भी प्रचलित कर सकते थे।
- वे अपनी भूमि पर बसे सभी व्यक्तियों के मालिक थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

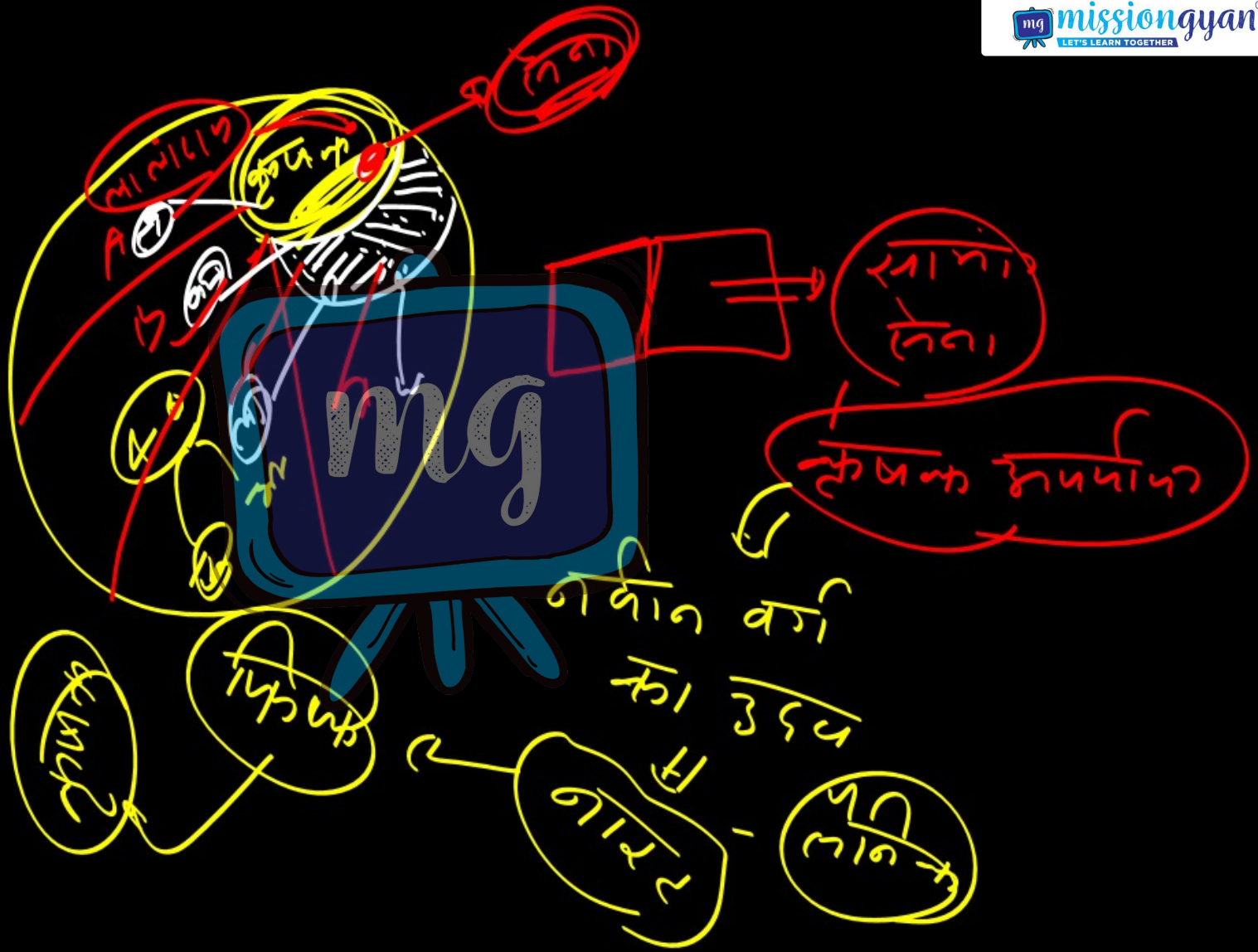
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- वे विस्तृत क्षेत्रों के स्वामी थे जिसमें उनके घर, उनके निजी खेत, जोत व चरागाह और उनके असामी-कृषकों के घर और खेत होते थे।
- उनका घर 'मेनर' कहलाता था।
- उनकी व्यक्तिगत भूमि कृषकों द्वारा जोती जाती थी।
- जिनको आवश्यकता पड़ने पर युद्ध के समय पैदल सैनिकों के रूप में कार्य करना पड़ता था।

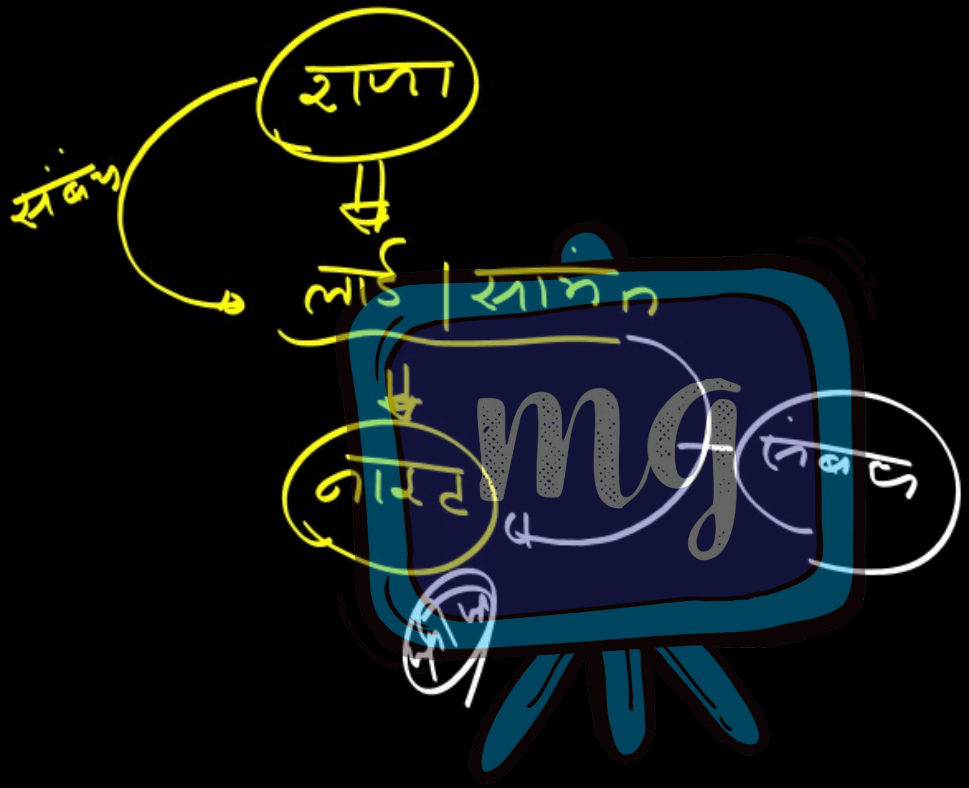
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मेनर की जागीर

- लॉर्ड का अपना मेनर-भवन होता था।
- वह गाँवों पर नियंत्रण रखता था कुछ लॉर्ड, अनेक गाँवों के मालिक थे।
- प्रतिदिन के उपभोग की प्रत्येक वस्तु जागीर पर मिलती थी।
- अनाज खेतों में उगाये जाते थे।
- लोहार और बढ़ई लॉर्ड के औज़ारों की देखभाल और हथियारों की मरम्मत करते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



जागीर

- जागीरों में विस्तृत अरण्यभूमि और वन होते थे जहाँ लॉर्ड शिकार करते थे।
- उनके यहाँ चरागाह होते थे।
- वहाँ पर एक चर्च और सुरक्षा के लिए एक दुर्ग होता था।
- इनका विकास सामंत प्रथा के तहत राजनीतिक प्रशासन और सैनिक शक्ति के केंद्रों के रूप में हुआ था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नाइट

- नौवीं सदी से, यूरोप में स्थानीय युद्ध प्रायः होते रहते थे।
- कुशल अश्वसेना की आवश्यकता थी।
- इसने एक नए वर्ग को बढ़ावा दिया जो नाइट्स कहलाते थे।
- वे लॉर्ड से उसी प्रकार सम्बद्ध थे जिस प्रकार लॉर्ड राजा से सम्बद्ध था।